

प्राधिकार से प्रकाषित PUBLISHED BY AUTHORITY

et. 28] No. 28] नई घिल्ली, शनिचार, नवस्वर 14, 1998/कार्तिक 23, 1920

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 14, 1998/KARTIKA 23, 1920

इंस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—चन्द्र ३--ज्य-चन्द्र (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रमासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आवेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग आवेश

नई दिल्ली, 30 अन्तूबर, 1998

आ०अ० 113 .—यतः 48-बाबरपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से नवम्बर, 1993 में राष्ट्रीय राजधानी राज्य-क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा के लिए हुए साधारण निर्वाचन के लिए निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री सुनील विशष्ठ निर्वासी भ० नं० 246, बाबरपुर, नई विल्ली, को खोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के नियम 10-क के अधीन बनाए गए नियमों एवं आदेशों के अधीन अपने निर्वाचन क्ष्म्यों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित ढंग से दाखिल करने में असफल रहने के कारण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपने क्ष्मेंदेश सं० 76/दिल्ली-वि०स०/94 (8) तारीख 7-12-95 द्वारा निर्महत किया गया था; भौर

यतः उक्त श्री सुगील विशिष्ठ ने अपने ऊपर अध्यारोपित निरहेता को हटाने के लिए तथा लेखे को विधि द्वारा अपेकित डंग से दाखिल करने में असफलता के कारणों को बताते हुए एक याचिका प्रस्तुत की बी; और यतः याचिका पर विचार करते हुए तथा इस मामले से संबंधित सभी सारवान तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग में उक्त अधिनियम के नियम 10-क के अधीन आयोग के तारीख 7-12-95 के आदेश द्वारा श्रो सुगोत विशिष्ट पर अध्यारोपित निर्हता का अपने तारीख 30 अक्तूबर, के आदेश द्वारा तारीख 30-10-98 से हटा दिया है।

अतः अब, श्री सुशील विशिष्ठ का नाम राजपन्न में यथा प्रकाशित आयोग के आदेशों कमशः सं० 76/विल्ली-वि०स०/ 94(8), तारीख 7-12-95 में से तारीख 30-10-98 की श्रीर उस तारीख से हटा दिया समझा जाएगा।

[सं० 76/दिल्ली-वि०स०/94/खण्डा]

आवेश से,

के०आर० प्रसाद, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA ORDER

New Delhi, the 30th October, 1998

O.N. 113.—Whereas Shri Sunil Vashisha R/o 246, East Babarpur, New Delhi a contesting candidate for the General Election to the Legsilative Assembly of National Capital Territory of Delhi from 48-Babarpur Assembly Constituency held in November, 1993 was disqualified by the Election Commission of India vide its order No. 76/DL-LA/94(8) dt. 7-12-95 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for failure to lodge account of election expenses in the manner as required by the said Act and the rules and orders made thereunder; and

Whereas, the said Sh. Sunil Vashistha had submitted a petition before the Election Commission of India for removal of disqualification imposed on him giving reasons for his failure to lodge the account within the manner required by law; and

Whereas, after considering the petition and taking into account all material facts of the case, the Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of People Act, 1951 has vide its order dt. 30-10-98 removed the disqualification imposed upon Sh. Sunil Vashistha by the Commission's aforesaid order dt. 7-12-95 under Section 10A of the said Act with effect from 30th October, 1998.

Now, therefore, the name of Sh. Sunil Vashistha shall deem to have been omitted from the Commission's orders no. 76/DL-LA/94(8) dt. 7-12-95 as published in the Gazette of India and in the National Capital Territory of Delhi Gazette on and from 31-10-98.

[No. 76/DL-LA/94/Vol. II] By Order, K. R. PRASAD, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1998

अर्ा अर्ा अर्ा अर्ा अर्ा अर्ा साकेत विधान सभा निर्वाचन स्रोत से नवम्बर, 1993 में राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली की विधान के लिए हुए साधारण निर्वाचन के लिए निर्वाचन लड़ने वाले अन्यर्थी, श्री ब्रह्मप्रकाण पुत स्वर्गीय श्री नायूराम निर्वासी मन्नं 361, प्राम देवली, नर्ध विस्ती -110062 को, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के नियम 10क के अधीन बनाए गए नियमों एवं आदेशों के अधीन अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित खंग से दाखिल कर्ने में असफल रहने के कारण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपने आदेश सं 76-विल्ली विवस /94 (19) तारीख 7-9-97 द्वारा निर्राहत किया गया था; श्रीर

यतः उक्त श्री ब्रह्मप्रकाण अपने ऊपर अध्यारोपित निर-ह्रांता को हटाने के लिए तथा तेखे को विधि द्वारा अपेक्षित ढंग से दाखिल करने में असफलता के कारणों को बताते हुए एक याचिका प्रस्तुत की थी; श्रौर

यत: याचिका पर विचार करते हुए तथा इस मामले से संबंधित सभी सारवान तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लोक प्रतिनिधित्य अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुए निश्वचिन आयोग में उक्त अधि-नियम के नियम 10क के अधीन आयोग के तारीला 7-8-97 के आवेश द्वारा श्री ब्रह्मप्रकाश पर अध्यारोपित निरहंता को ्अपने तारीखा 30 अक्तूबर, के आदेश द्वारा 31 अक्तूबर, - 98 से हटा दिया है।

अतः अब, श्री ब्रह्मप्रकाश का नाम राजपत्र में यथा प्रका-शित आयोग के आदेश कशम. सं० 76 /दिल्ली-वि०स०/94 (19) (खंड-II), तारीख 7-8-97 से तारीख 31-10-98 को ग्रीर उस तारीख से हटा दिया समक्षा जाएगा।

> [सं० 76/दिल्ली-वि०सं०/94/खण्ड II] आदेश से,

> > के० आर० प्रसाद, संचिव

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1998

O.N. 114.—Where is Shri Brahm Prakash, S/o Late Sh. Nathu Ram R/o House No. 361, Village Devli New Delhi-62 B contesting candidate for the General Election to the Legisaltive Assembly of National Capital Territory of Delhi from 33-Saket Assembly Constitutency held in November, 1993 was disqualified by the Election Commission of India vide its order No. 76/DL-LA/94(19)(Vol.II) dt. 7-8-97 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for failure o lodge account of election expenses in the manner as required by the said Act and the rules and orders made thereunder; and

Whereas, the said Sh. Brahm Prakash had submitted a petition before the Election Commission of India for removal of disqualification imposed on him giving reasons for his failure to lodge the account within the manner required by law; and

Whereas, after considering the petition and taking into account all material facts of the case, the Election Commission, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the Representation of People Act, 1951 has vide its order dt. 30-10-98 removed the disqualification imposed upon Sh. Brahm Prakash by the Commission's aforesaid order dt. 7-8-97 under Section 10A of the said Act with effect from 31st October, 1998.

Now, therefore, the name of Sh. Brahm Prakash shall deem to have been omitted from the Commission's order No. 76/DL-LA/94(19) dt. 7-8-97 as published in the Gazette of India and in the National Capital Territory of Delhi Gazette on and from 31-10-98.

[No 76/DL LA/94/Vol. II]

By Order,

K. R. PRASAD, Secy.

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 1998

आ०अ० 115:——भारत निर्वचिन आयोग 18-बलहाना (अ०जा०) संसदीय निर्वचिन क्षेत्र से लोक सभा के लिए श्री आनन्दराय विठोबा अद्मुल के निर्वचिन को प्रण्नगत करने वाली, निर्वचिन अर्जी सं० 1996 की 1 में बम्बई स्थित उच्च न्यायालय (नागपुर पीठ) के नारीख 22 अर्जेल. 1998 के निर्णय को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में इसके द्वारा प्रणाणित करना है।

(निर्णय अधित्वता के अग्रेजी भाग में छवा है)
[मं० 82/महा०-लो०स०/1/96/(नागप्र)]
अदेश से,
अनुप के० पुजारी, प्रधान मचिव